प्रकाशन का 47 वां वर्ष

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक

ई – पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 47 अंक – 12 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पर्जीकरण एच. पी./93/एस एम एल Valid upto 31-12-2023 सोमवार 14 – 21 मार्च 2022 मूल्य पांच रूपए

जयराम या अनुराग कोई भी जीत नही दिलवा पायेगा भाजपा को सर्वे का खुलासा

- पेंशन चाहिये तो चुनाव लड़ो
- आन्दोलनों के लिए बुजुर्ग ठाकुर को ठहराया जिम्मेदार
- कैग रिपोर्ट और उच्च न्यायालय के फैसले सरकार के कामकाज पर बड़ा खुलासा

शिमला/शैल। क्या हिमाचल भाजपा में सब अच्छा चल रहा है? क्या भाजपा सत्ता में वापसी कर पायेगी? क्या प्रदेश में मुख्यमंत्री बदला जा सकता है? यह सवाल इन दिनों चर्चा में है। क्योंकि पिछले दिनों हुये चारों उपचुनाव भाजपा नहीं वरन जयराम सरकार हार गयी है उपचुनाव पार्टी की नीतियों का प्रतिफल नहीं होते बल्कि सरकार की कारगुजारियों का परिणाम होते हैं। उपचुनाव हारने के बाद जयराम की सरकार ने नगर निगम शिमला के चुनाव पार्टी के चिन्ह पर नहीं करवाने का फैसला लिया है इससे पार्टी की स्थिति का पता चल जाता है। सरकार वित्तीय मोर्चे पर कितनी सफल रही है इसका खुलासा दोनों कैग रिपोर्टों में विस्तार से सामने आ चुका है। कैग ने सरकार पर फिजूल खर्च का आरोप लगाया है। इस आरोप से यह प्रमाणित हो जाता है कि सरकार कितने गैर जिम्मेदाराना तरीके से आचरण करती रही है। इसी गैर जिम्मेदारी का दूसरा बड़ा प्रमाण प्रदेश उच्च न्यायालय का फैसला है। इस फैसले में उच्च न्यायालय ने एनजीटी के फैसले के विरुद्ध सरकार द्वारा दायर की गई याचिकाओं को खारिज कर दिया है। यदि इस विषय का गंभीरता से संज्ञान लिया जाये तो प्रशासन में कई बड़े अधिकारियों के लिए संकट खड़ा हो जायेगा। ऐसे दर्जनों मामले हैं जो सरकार की समझ और अफसरशाही पर उसकी पकड़ का खुलासा करते हैं। आने वाले दिनों में जब यह मामले दस्तावेजी प्रमाण के साथ जनता के सामने आयेंगे तो उसका चुनावी परिणामों पर क्या असर पड़ेगा यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। स्वभाविक है कि कैग और अदालती फैसलों के आईने में जब सरकार वोट मांगने जायेगी तो जनता का समर्थन कितना और कैसा मिलेगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या पार्टी हाईकमान को प्रदेश की इस हकीकत की जानकारी है या नहीं। जबकि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हिमाचल से ही ताल्लुक रखते हैं। इस समय दिल्ली के बाद पंजाब भाजपा के हाथ से निकल गया है। हरियाणा और हिमाचल पर आप ने पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। आप ने हिमाचल में सारी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस ऐलान के बाद प्रदेश को लेकर चुनावी सर्वे आने शुरू हो गये हैं और उनमें भाजपा की सरकार बनना नहीं दिखवाया जा रहा है। दूसरी ओर इस समय पूरा प्रदेश कर्मचारियों और स्वर्ण मोर्चों के आन्दोलनों से दहला हुआ है। कर्मचारियों का हर वर्ग कोई न कोई मांग लेकर खड़ा है। ओ पी एस की मांग सबसे बड़ी मांग बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को विधानसभा पटल से यह कह दिया है की पेंशन चाहिए तो चुनाव लड़ो। मुख्यमंत्री ने यह आंखें दिखा कर शांता कुमार बनने का साहस तो दिखाया है। लेकिन यह भूल गये कि शांता उसके बाद विधानसभा नहीं पहुंच पाये हैं। बल्कि सी पी एम ने तो यहां तक कह दिया है कि जिन अधिकारियों के कारण शांता का केंद्र में मंत्री पद गया था वहीं आज जयराम की लुटिया डुबोने में लगे हैं। सरकार दोनों आन्दोलनों से निपटने में पूरी तरह फेल हो गयी है। अब इन आंदोलनों के लिए अपनी ही पार्टी के लोगों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जयराम के एक मंत्री के ओ एस डी ने बाकायदा सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट डालकर बुजुर्ग ठाकुर पर इन आंदोलनों की जिम्मेदारी डाल दी है। आज प्रदेश की राजनीति में बुजुर्ग ठाकुरों के नाम पर धूमल, महेंद्र सिंह, गुलाब सिंह और महेश्वर सिंह के बाद कोई नाम आता ही नहीं है। धूमल – जयराम के रिश्ते सरकार बनते ही सामने आये जिंजेल्ली कांड से शुरू होकर अब मानव भारती विश्वविद्यालय के डिग्री कांड को लेकर आये राजेंद्र राणा के पत्र और उस पर शांता कुमार के ब्यान जिसमें वह इस संबंध में राज्यपाल तथा डीजीपी कुंडू से भी बात कर लेने का दावा कर रहे हैं से पूरी तरह स्पष्ट हो जाता है प्रदेश की जनता के सामने यह सब कुछ आ चुका है। जनता सही समय पर इसका जवाब देगी। इसी वस्तुस्थिति में प्रदेश को लेकर चुनावी सर्वे सामने आया है। इस सर्वे में यह कहा गया है कि यदि जयराम के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाता है तो भाजपा को 13 सें अठारह सीटें और यदि अनुराग के नेतृत्व में लड़ते हैं तो 27 से 32 सीटें आ सकती हैं। आप के कारण त्रिशंकु विधानसभा के आसार बनते जा रहे हैं। ऐसे में हाईकमान के लिए यह बड़ा सवाल होगा की वह क्या फैसला लेती है।

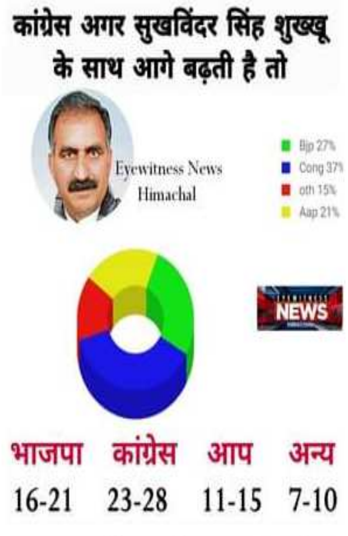

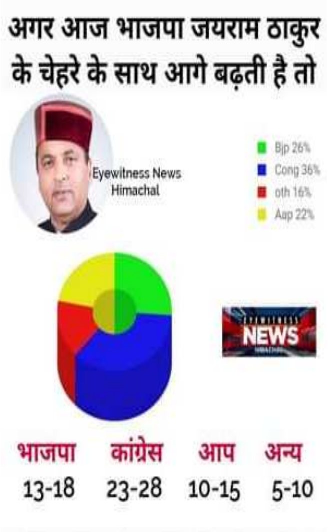

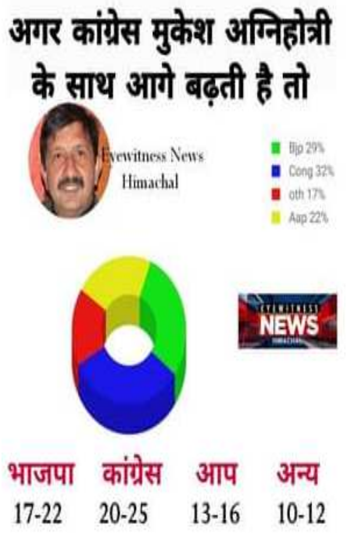

राज्यपाल ने कांगड़ा अंगेस्ट कोविड-19 वर्किंग ग्रुप एवं एनआईएफएए द्वारा आयोजित समारोह की अध्यक्षता की

शिमला/शैल। कांगड़ा जिला प्रशासन के अन्तर्गत गठित कांगड़ा अंगेस्ट कोविड-19 वर्किंग ग्रुप एवं नेशनल इंटीग्रेटिड फोरम ऑफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्ट्स (एनआईएफएए) के संयुक्त तत्वाधान में धर्मशाला कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि जो संगठन समाज में निरंतर प्रयासरत रहते हैं वही देश की असली ताकत हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कांगड़ा अंगेस्ट कोविड-19 वर्किंग ग्रुप से प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसी संस्थाएं हैं जो अपनी विचारधारा और विचारों के अनुसार काम कर समाज के लिए एक मिसाल कायम करती हैं। उनके अनुभव समाज में पहचाने जाते हैं और हम सभी के लिए पथ प्रदर्शक का कार्य करते हैं।

नशे पर चिन्ता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में नशा समाज की सबसे बड़ी समस्या है। समाज में विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ लोगों में जागरूकता लाने के लिए नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस दिशा में सभी सामाजिक संगठनों से आगे आने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यदि समाज इस दिशा में सोचता है तभी उसके पास इस चुनौती से निपटने की शक्ति होगी। राज्यपाल ने कहा कि यह हमारी सोच की ताकत है कि हमने कोरोना के विरूद्ध युद्ध में जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त हिमाचल के लिए हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए क्योंकि प्रदेश में नशीली दवाओं के उपयोग के आंकड़े चौंकाने वाले हैं।

उन्होंने पर्यावरण के मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करना चाहिए। अगर हम पर्यावरण को ठीक प्रकार से नहीं समझेंगे तो भविष्य में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान बेहतर कार्य करने वाले सभी अधिकारियों और संस्थाओं को बधाई दी और उनका आभार व्यक्त किया।

इससे पूर्व राज्यपाल ने विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने इस समारोह में 250 संस्थाओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर समारोह के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पर्यावरण विभाग के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्य ने कहा कि समाज में बहुत शक्ति होती है और कोरोना महामारी के दौरान समाज ने किसी को भी भूखा नहीं मरने दिया। उन्होंने कहा कि इस महामारी से हमें तीन चीजें सीखने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि अपनी जीवनशैली में सुधार करें, अपनी जरूरत के अनुसार इसे पुनः परिभाषित करें और अपने जीवन को पुनः शुरू करें। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण पर भी बल दिया।

उपायुक्त, कांगड़ा निपुण जिंदल ने कांगड़ा अंगेस्ट कोविड-19 वर्किंग ग्रुप गठित किए जाने के पीछे की सोच और कोरोना महामारी के दौरान लोगों के सहयोग व योगदान के बारे में जानकारी दी।

एनआईएफएए के उपाध्यक्ष नरेश बराना ने कहा कि यह संगठन देश के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे हर क्षेत्र में सामाजिक कार्य कर रहे हैं और सामाजिक मुद्दों के लिए सात बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो चुके हैं। भारत सरकार ने एनआईएफएए को सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए शीर्ष संगठन के रूप में घोषित किया है।

एनआईएफएए की अध्यक्ष सारिका कटोच ने राज्यपाल का स्वागत करते हुए संगठन की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जिले में कोविड-19 महामारी के दौरान उनके साथ सहयोग करने वाले अन्य संगठनों के योगदान के बारे में भी अवगत करवाया।

राज्यपाल ने साक्य सम्प्रदाय की शिक्षा के प्रसार पर बल दिया

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि दलाईलामा की शिक्षाएं हमें प्रेम, शान्ति और मानवता का सन्देश देती हैं और हम सभी को इनका अनुसरण करना चाहिए।

राज्यपाल जिला सिरमौर के पांवटा साहिब के पुरवाला में परमपूज्य 43वें साक्य त्रिजिन श्री ज्ञान वज्र रिनपोचे के राज्याभिषेक समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए लगभग एक हजार वर्ष पुराने साक्य सम्प्रदाय की शिक्षाओं और विचारों का प्रसार करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत एक शान्तिप्रिय देश है और यहां के लोगों में अध्यात्मिकता की भावना है, जिसे हमारी संस्कृति से दूर नहीं किया जा सकता। हमारे देश को अपनी समृद्ध संस्कृति और परम्पराओं के लिए जाना जाता है और हमारी विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता है। हमारा देश धार्मिक सहिष्णुता, सहयोग और अहिंसा की एक जीवन्त उदाहरण है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्व की कई संस्कृतियां और सभ्यताएं विलुप्त हो गई और कई विलुप्त होने की कगार पर है, लेकिन हमारा राष्ट्र अपने सांस्कृतिक मूल्यों के कारण आज भी जीवन्त है। हम जब भी दूसरे देश जाते हैं तो अपने सांस्कृतिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के उपदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वामी जी अपने अध्यात्मिक ज्ञान के साथ विदेश गए और उन्होंने न केवल अमेरिका बल्कि पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया। इसी प्रकार महात्मा बुद्ध द्वारा दिए गए सन्देश पूरी दुनिया के लिए अनुकरणीय हैं।

इस अवसर पर गुरू गोंडमा तिचेन रिनपोचे, गुरू तीजिन रिनपोचे और गुरू ज्ञान वज्र रिनपोचे ने भी अपना आशीष प्रदान किया।

इस अवसर पर बहुद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री सुख राम चौधरी, सिरमौर के उपायुक्त राम कुमार गौतम, पुलिस अधीक्षक ओमापति जम्वाल, जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी, साक्य समाज के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हिमाचल में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं:राज्यपाल

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने खिलाड़ियों का आहवान किया कि वे खेल भावना को बनाये रखते हुए अपना सर्वोत्कृष्ट

प्रदर्शन करें।

राज्यपाल कांगड़ा जिला के धर्मशाला में केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय के समीप डीवाईएसएस स्टेडियम में आयोजित की जा रही अखिल भारतीय अन्तर-विश्वविद्यालय महिला नेटबॉल प्रतियोगिता के शुभारम्भ समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य में खेल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हिमाचल में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उन्होंने केन्द्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने खेलों के विकास में अपना सराहनीय योगदान दिया है। पहले हम खेलों में केवल भाग लेने की सोचते थे, लेकिन आज जीत की सोच के साथ आगे आते हैं और यह एक बड़ा बदलाव है। उन्होंने कहा कि यह भावना खिलाड़ियों में हमेशा रहनी चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि साथ चलना अच्छी शुरुआत है, साथ बने रहना उन्नति है और मिल कर कार्य करने से सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि हमें एक टीम के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल का वातावरण मुझे घर का एहसास करवाता है और यहां के लोगों का आतिथ्य-सत्कार सभी को प्रभावित करता है।

इससे पहले, राज्यपाल ने देश भर से आई 43 विश्वविद्यालयों की 600 से अधिक खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्च पास्ट की सलामी ली।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एसपी बंसल ने राज्यपाल का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया।

उन्होंने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में खेल स्टेडियम निर्माण के लिए 15 करोड़ रुपये की घोषणा करने के लिए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा कार्य एवं खेल मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मूल्य आधारित पाठयक्रमों के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में प्रमुख भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा हमारा आदर्श युवाओं में कौशल को प्रोत्साहन देते हुए इसे और निखारना है। उन्होंने नेटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के लिए राज्यपाल का आभार भी व्यक्त किया।

छात्र कल्याण के डीन डॉ. प्रदीप कुमार ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई और रजिस्ट्रार विशाल सूद ने केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का संदेश पढ़ा।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. सुमन शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

शैल समाचार
संपादक मण्डल

संपादक- बलदेव शर्मा
सयुक्त संपादक:जे.पी.भारद्वाज
विधि सलाहकार: ऋचा
अन्य सहयोगी
राजेश ठाकुर
सुदर्शन अवस्थी

राज्यपाल ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की कार्यशाला की अध्यक्षता की

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की अध्यक्षता में राजभवन में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत मल्टी सेक्टोरल कन्वरजेंस फॉर टी.बी. फ्री हिमाचल प्रदेश पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान से विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को जोड़ने की आवश्यकता है और इसके माध्यम से उनकी ऊर्जा का उपयोग सही दिशा में किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह लोगों से जुड़ा हुआ अभियान है जिसमें रेडक्रॉस महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 तक देश से क्षय रोग उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है परन्तु हिमाचल में वर्ष 2023 तक यह लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का आहवान किया और इस बीमारी के बारे में प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक करने पर बल दिया।

द यूनियन के दक्षिण पूर्वी एशिया क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. के.एस. सचदेव ने कहा कि यह एक श्वास संबंधी संक्रमण है जिसे जन अभियान के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में क्षय रोग उन्मूलन का पहला विचार रखा गया था और प्रधानमंत्री वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के साथ 160 कॉरपोरेट जुड़े हैं और एक वर्ष में इसे बढ़ाकर 500 करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने एक नियमित अन्तराल में सम्पूर्ण जनसंख्या की जांच पर बल दिया ताकि सक्रिय मामलों का पता लगाया जा सके।

वर्ष 2022-23 के लिए आबकारी नीति को स्वीकृति

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक में वर्ष 2022-23 के लिए आबकारी नीति को स्वीकृति प्रदान की गई, जिसमें वर्ष के दौरान 2,131 करोड़ रुपये के राजस्व प्राप्ति की

परिकल्पना की गई है, जो कि वित्त वर्ष 2021-22 से 264 करोड़ रुपये अधिक होगा। यह राज्य आबकारी राजस्व में 14 प्रतिशत की कुल वृद्धि को दर्शाता है।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 राज्य में प्रति इकाई चार प्रतिशत नवीनीकरण शुल्क पर खुदरा आबकारी ठेकों के नवीनीकरण को स्वीकृति प्रदान की गई। इसका उद्देश्य सरकारी राजस्व में पर्याप्त बढ़ोतरी प्राप्त करना और पड़ोसी राज्यों में दाम कम करके होने वाली देसी शराब की तस्करी पर रोक लगाना है।

लाइसेंस फीस कम होने के कारण देसी शराब ब्रांड सस्ती होगी। इससे उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर अच्छी गुणवत्ता की शराब उपलब्ध होगी और उन्हें अवैध शराब खरीदने के प्रलोभन से भी बचाया जा सकेगा और शुल्क चोरी पर भी निगरानी रखी जा सकेगी।

नई आबकारी नीति में खुदरा लाइसेंसधारियों को आपूर्ति की जाने वाली देसी शराब के निर्माताओं और बॉटलर्ज के लिए निर्धारित 15 प्रतिशत कोटा समाप्त कर दिया गया है। इस निर्णय से खुदरा लाइसेंसधारी अपना कोटा अपनी पसंद के आपूर्तिकर्ता से उठा सकेंगे और प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यों पर अच्छी गुणवत्ता की देसी शराब की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

देसी शराब का अधिकतम खरीद मूल्य मौजूदा मूल्य से 16 प्रतिशत सस्ता हो जाएगा।

इस वर्ष की नीति में गौवंश के कल्याण के लिए अधिक निधि प्रदान करने के दृष्टिगत गौधन विकास निधि में एक रुपये की बढ़ोतरी करते हुए इसे मौजूदा 1.50 रुपये से बढ़ाकर 2.50 रुपये किया गया है।

राज्य में कोविड-19 के मामलों में कमी को देखते हुए कोविड उपकर में मौजूदा से 50 प्रतिशत की कमी की गई है।

लाइसेंस शुल्क के क्षेत्र विशिष्ट स्लैब को समाप्त करके बार के निश्चित वार्षिक लाइसेंस शुल्क को युक्तिसंगत बनाया गया है। अब पूरे राज्य में होटलों में कमरों की क्षमता के आधार पर एक समान लाइसेंस स्लैब होंगे।

जनजातीय क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने और होटल उद्यमियों को राहत प्रदान करने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में बार के वार्षिक निर्धारित लाइसेंस शुल्क की दरों में काफी कमी की गई है।

शराब के निर्माण, संचालन, थोक विक्रेताओं को इसके प्रेषण और बाद में खुदरा विक्रेताओं को बिक्री की निगरानी के लिए इन सभी हितधारकों को अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है।

विभाग द्वारा हाल ही में शराब बटलिंग प्लांटों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं में पाई गई अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम, 2011 को और सख्त किया गया है।

राज्य में एक प्रभावी एंड-टू-एंड ऑनलाईन आबकारी प्रशासन प्रणाली स्थापित की जाएगी जिसमें शराब की बोतलों की ट्रैक एंड ट्रेस की सुविधा के अलावा निगरानी के लिए अन्य मॉड्यूल शामिल होंगे।

मंत्रिमंडल ने वर्ष 2022-23 के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य पथकर नीति को अपनी मंजूरी प्रदान की है जिसमें राज्य में सभी पथकर बेरियर की नीलामी व निविदा शामिल हैं। वर्ष 2021-22 के दौरान टोल राजस्व में गत वर्ष के राजस्व के मुकाबले 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश आपदा राहत नियमावली, 2012 में संशोधन को अपनी मंजूरी प्रदान की जिसमें मधुमक्खी, हॉरनेट और वैस्प के काटने से होने वाली मृत्यु, दुर्घटनाग्रस्त डूबने, और वाहन दुर्घटना में होने वाली मृत्यु के मामलों को राहत नियमावली के अन्तर्गत शामिल किया गया है।

मंत्रिमंडल ने लोक सेवा आयोग के माध्यम से राजस्व विभाग में नियमित आधार पर सीधी भर्ती के माध्यम से तहसीलदार श्रेणी-1 के 11 पदों को भरने की स्वीकृति प्रदान की।

गुम्मा नमक और दैनिक उपभोग की वस्तुएं भी होंगी उचित मूल्य की दुकानों पर उपलब्ध:राजिंद्र गर्ग

शिमला/शैल। गुम्मा नमक को प्रदेश में राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की सभी दुकानों में उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जाएंगे। यह बात खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजिन्द्र गर्ग ने हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के निदेशक मण्डल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गुम्मा नमक प्रदेश का अपना उत्पाद है और इसके चिकित्सीय लाभ भी हैं। राजिंद्र गर्ग ने कहा कि सरकार प्रदेशवासियों को गुणवत्तायुक्त पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 में अर्जित लाभ का 10 प्रतिशत लाभांश प्रदेश सरकार को प्रदान किया गया, जो 35.15 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि निगम हिमाचल प्रदेश सहकारी समितियों को भी वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से चाय, शैंपू, बालों का तेल, साबुन, टूथपेस्ट, इत्यादि दैनिक उपभोग की उपभोक्ता वस्तुएं बाजार दर से कम दरों पर उपलब्ध करवायी जाएंगी, जिससे निगम की आय में भी वृद्धि होगी।

बैठक में निगम के कर्मचारियों के हित में संशोधित वेतनमान लागू करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। संशोधित वेतनमान लागू होने से निगम के लगभग 800 कर्मचारी लाभान्वित होंगे। निगम के कर्मचारियों के हितों के मद्देनजर 20 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण कर चुके 36 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को लिपिक के पद पर पदोन्नत किया जाएगा और चतुर्थ श्रेणी के 29 पदों को करूणामूलक आधार पर भरा जाएगा। बैठक में हिमाचल प्रदेश की उचित मूल्य की दूकानों का नाम बदलकर हिम सुविधा करने का भी निर्णय लिया गया।

हिमाचल ने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश,तकनीकी और ज्ञान सहायता के लिए विश्व बैंक से अनुरोध किया

शिमला/शैल। विश्व बैंक के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हार्तविग शाफर के नेतृत्व में प्रदेश के दौरे पर आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव राम सुभग सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्य सचिव राम सुभग सिंह ने बताया कि बैठक में प्रतिनिधिमंडल द्वारा जलवायु अनुकूल हरित विकास के एजेंडे पर चर्चा की गई। राज्य ने इस बात पर जोर दिया कि हाल ही में ग्लासगो शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित नए स्वच्छ विकास एजेंडे के दृष्टिगत जीवाश्म ईंधन स्रोतों से गैर-प्रदूषणकारी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन में देश की सहायता करने के लिए प्रदेश की एक विशेष भूमिका है। हाइड्रो सेक्टर अपने डिजाइन के कारण ग्रिड स्थिरता के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है, जो ग्रिड में रुक-रुक कर और परिवर्तनशील सौर और पवन ऊर्जा के बढ़ते अन्तःक्षेप के कारण चिंता का एक नया क्षेत्र बन गया है। राज्य की ओर से प्रदेश के पंप भंडारण, सौर और जल विद्युत क्षेत्रों में निवेश और ज्ञान सहायता के लिए विश्व बैंक से आग्रह किया गया।

बैठक में जलवायु अनुकूल कृषि, एकीकृत वाटरशैड विकास दृष्टिकोण के माध्यम से आजीविका सुरक्षा, राज्य पर्यावरण कार्ययोजना और स्वच्छ गतिशीलता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। राज्य ने इन सभी क्षेत्रों में निवेश, तकनीक और ज्ञान सहायता का आग्रह किया। समग्र प्रदूषण मैट्रिक्स में परिवहन क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए दो स्मार्ट शहरों शिमला और धर्मशाला में रोपवे आदि के माध्यम से ट्रैफिक डी-कंजेशन के लिए निवेश समर्थन भी मांगा गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त प्रबोध सक्सेना, प्रधान सचिव परिवहन आर.डी. नज़ीम, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सुभासीष पन्डा, सचिव कृषि राकेश कंवर और योजना सलाहकार बासु सूद ने विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

इससे पूर्व, प्रधान सचिव शहरी विकास देवेश कुमार ने विश्व बैंक के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों का स्वागत किया और बैठक की कार्यवाही का संचालन किया।

विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने 15 और 16 मार्च, 2022 को प्रदेश का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में क्रियान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करना और भविष्य के अनुबंधों की संभावनाएं तलाशना है।

विश्व बैंक के पास हिमाचल में निवेश का पर्याप्त पोर्टफोलियो है और आज विभिन्न परियोजनाओं के रूप में राज्य को कुल 3,160 करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं। यह परियोजनाएं सड़क, जल आपूर्ति, बागवानी, वन और वित्तीय प्रबंधन क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं। विश्व बैंक के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने 15 मार्च को शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) के कार्यालय का भी दौरा किया और विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित शिमला जल आपूर्ति परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए स्थापित स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने शिमला के उपनगर रामगढ़ का भी दौरा किया और परियोजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत की।

एकल खिड़की स्वीकृति एवं अनुश्रवण प्राधिकरण की 22वीं बैठक में 2989.44 करोड़ रुपये निवेश के 24 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में राज्य एकल खिड़की स्वीकृति एवं अनुश्रवण प्राधिकरण की 22वीं बैठक आयोजित की गई, जिसमें नए औद्योगिक उद्यम स्थापित करने और वर्तमान इकाइयों के विस्तार के लिए 24 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। इनमें लगभग 2989.44 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और इससे लगभग 5610 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा, जिससे यह प्रदर्शित होता है कि आर्थिक मंदी के बावजूद राज्य निवेश को निरन्तर आकर्षित कर रहा है।

प्राधिकरण द्वारा जिला सिरमौर की नाहन तहसील डाकघर बर्मा पापड़ी में शिव वेल्ड मैश को सेनेटरी पैड, एन-95 मास्क, चिकित्सा उपकरण बनाने, जिला सिरमौर की मैसर्ज आदित्य इंडस्ट्रीज यूनिट-II, काला-अम्ब को मैसर्स श्रेडिंग स्क्रैप के निर्माण, जिला सोलन की तहसील नालागढ़ के गांव मझौली में मैसर्ज इंडिग्राम बायो फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड को सीएनजी और पीएनजी, जैव उर्वरक उत्पादन के लिए, जिला सोलन की नालागढ़ तहसील के गांव किरपालपुर में मैसर्स कॉनकॉर्ड प्रिंट एंड पैक को फोल्डिंग कार्टन, कारूगेटिड बॉक्स इत्यादि के उत्पादन, जिला सोलन की नालागढ़ तहसील के गांव टाहलीवाला में मैसर्ज ओनिक्स बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड यूनिट-प्प् को ड्राई सिरप, ड्राई इंजेक्शन, आईवी फ्लूड्स के उत्पादन, जिला सोलन की तहसील नालागढ़ के गांव मझौली में मैसर्स हिमाचल इंटरवीव्स प्राइवेट लिमिटेड को इंडियन कॉटन यार्न के उत्पादन, जिला सोलन की बद्दी तहसील में मैसर्ज रशिका मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड, भुड में इंजेक्शन, दवाई, कैप्सूल के उत्पादन, जिला सोलन की बद्दी तहसील के गांव धर्मपुर में ओकाया ईवी प्राइवेट लिमिटेड यूनिट-1 को इलेक्ट्रिक वाहन (स्कूटी), सहायक उपकरण और पुर्जों के निर्माण, जिला सोलन की बद्दी तहसील में ओकाया ईवी प्राइवेट लिमिटेड यूनिट-3 भटोलीकलां को ऑटो पार्ट्स के निर्माण, जिला सोलन की नालागढ़ तहसील में मैसर्स तारांश फार्मा प्राइवेट लिमिटेड किरपालपुर को एपीआई बल्क ड्रग का उत्पादन, जिला ऊना की तहसील अम्ब के गांव थाथल में मैसर्स ग्रीनको जीरो सी प्राइवेट लिमिटेड को हरित अमोनिया, हरित हाइड्रोजन, नाइट्रोजन के उत्पादन के नए प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की।

प्राधिकरण द्वारा जिन विस्तार प्रस्तावों को अनुमति प्रदान की गई हैं उनमें जिला सोलन की बद्दी तहसील के गांव थाना में मैसर्स अल्पला इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को प्लास्टिक की बोतलों, प्लास्टिक कैप्स का उत्पादन, जिला सोलन के परवाणू में मैसर्स इंड-स्फिंक्स प्रेसिजन लिमिटेड (यूनिट-बी) को विशेष डायमंड कोटिंग टूल्स और टीएएम टूल्स के निर्माण, मैसर्ज मोरेपीन लेबोरेटरीज लिमिटेड, गांव मसुलखाना, परवाणू, जिला सोलन को बल्क ड्रग्ज और इंटरमीडिएट के निर्माण, मैसर्ज इडोरमा इंडस्ट्रीज लिमिटेड, लोधीमाजरा, तहसील बद्दी, जिला सोलन को स्पैन्डेक्स यार्न के निर्माण के लिए, मैसर्ज जिलेट इंडिया लिमिटेड यूनिट-1, कत्था, तहसील बद्दी, जिला सोलन को प्लास्टिक मोल्डेड रेजर ब्लेड आदि के उत्पादन, मैसर्ज एओईएमआईएल फार्मास्यूटिकल्स इंडिया लिमिटेड, गांव सैनी माजरा, तहसील नालागढ़, जिला सोलन को दवाई, ग्रेन्यूल्स, पाउडर, कैप्सूल, सिरप के उत्पादन, मैसर्ज जीओन बायोसिस (जीओन लाइफसाइंसेज लिमिटेड की एक इकाई), गांव कुंजा, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर को इंटरमीडिएट बेस पाउडर, फैट बेस पाउडर, सोडियम कैसिन कैसिनेट आदि के निर्माण के लिए औद्योगिक इकाई के विस्तार, मैसर्ज फुजिकावा पावर, गांव हांडाकुंडी, नालागढ़, जिला सोलन को बैटरी और चार्जर, वाटर प्यूरीफायर आदि के निर्माण के लिए औद्योगिक इकाई के विस्तार, मैसर्ज ज्यूपिटर सोलर पावर लिमिटेड, गांव कथा, तहसील बद्दी, जिला सोलन को सोलर सेल के निर्माण के लिए औद्योगिक इकाई के विस्तार हेतु, मैसर्ज सोलरेक्स फार्मास्युटिकल कंपनी, गांव भटोलीकलां, तहसील बद्दी, जिला सोलन को वोलिनी जैल, मॉइस्चरेक्स व लुलिफिन आदि के उपादन, मैसर्ज फाइन पेट एंड कैप्स, झाड़माजरी, तहसील बद्दी, जिला सोलन को प्लास्टिक की बोतलों के उत्पादन, मैसर्ज माइलस्टोन गियर्स प्राइवेट लिमिटेड यूनिट-4, गांव बरोटीवाला, तहसील बद्दी, जिला सोलन को गियर्स, शाफ्ट और असेंबलीज के निर्माण के लिए और मैसर्ज टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, गांव भुड-मखनू माजरा, डाकघर भुड, तहसील बद्दी, जिला सोलन को दवाई और पाउच आदि के उत्पादन के लिए औद्योगिक इकाई के विस्तार की अनुमति प्रदान की गई।

निदेशक उद्योग राकेश प्रजापति ने बैठक की कार्रवाई का संचालन किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग आर.डी. धीमान, आयुक्त आबकारी एवं कराधान यूनुस सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रोमालिन और परलान रसायन विक्रेताओं को विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी

शिमला/शैल। उद्यान विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि विभाग के संज्ञान में आया है कि कुछ अपंजीकृत/अनाधिकृत रसायनों जैसे प्रोमालिन और परलान को कुछ रसायन विक्रेताओं द्वारा किसानों को इस दावे से बेचा जा रहा है कि इन रसायनों का गुलाबी कली पर इस्तेमाल तथा छिड़काव करने से सेब की गुणवत्ता व उत्पादन में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने कहा कि कीटनाशक अधिनियम 1968 तथा केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा इन रसायनों को अनुमोदित नहीं किया गया है और डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय नौणी सोलन द्वारा इन रसायनों का फल पर उपयोग करने के लिए परीक्षण और अनुमोदन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ रसायन विक्रेता व फल उत्पादक संघ अपने निजी स्वार्थों के कारण इन रसायनों की अनाधिकृत बिक्री कर रहे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि यदि कोई रसायन विक्रेता अनाधिकृत रसायनों को राज्य को विक्रयकर्ता पाया गया तो उसके विरूद्ध कीटनाशक अधिनियम 1968 की धारा 29 के तहत कारवाई अमल में लाई जाएगी तथा ऐसे रसायन विक्रेताओं का लाइसेंस तुरन्त रद्द किया जाएगा। इसलिए प्रदेश के बागवानों से अनुरोध है कि वे विभाग द्वारा अनुमोदित स्प्रे सारिणी के अनुसार ही रसायनों का प्रयोग करें।

स्वतंत्र होने का साहस करो जहाँ तक तुम्हारे विचार जाते हैं वहां तक जाने का साहस करो और उन्हें अपने जीवन में उतारने का साहस करो। ......स्वामी विवेकानंद

सम्पादकीय

गंभीर हैं ईवीएम पर उठते सवाल

चुनाव हो गये है। परिणाम आ गये। सरकारे बन गयी। राजनीतिक दल अपनी-अपनी हार-जीत के आकलनों में व्यस्त हो गये हैं। इन चुनावों के बाद आम आदमी को डीजल के दाम बढ़ने की पहली किस्त मिल गयी है। इससे दूसरी चीजों के दाम भी बढ़ेंगे ही और वह अगली किस्तों में सामने आयेंगे। इस दाम बढ़ौतरी के साथ ही एक फिल्म कश्मीर फाइल भी आम आदमी को मिली है। इस फिल्म पर प्रधानमंत्री का ब्यान आया है। जिसने फिल्म को चर्चा में लाकर खड़ा कर दिया है। भाजपा शासित राज्यों ने इस पर टैक्स माफ कर दिया है। इस फिल्म से 2024 तक आने वाला हर चुनाव प्रभावित होगा यह माना जा रहा है। बल्कि चुनाव को प्रभावित करना ही इस फिल्म का मकसद है यह कहना ज्यादा सही होगा कि इसी के साथ चुनाव के बाद यह भी देखने को मिला है कि पंजाब के कुछ लोग अपनी गाड़ियों पर खालिस्तानी झंडे लगाकर हिमाचल के मणिकरण आये थे। इन लोगों पर ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का आरोप भी है। इनको हिमाचल पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उसके बदले में हिमाचल के वाहनों को पंजाब में एंट्री स्थलों पर रोक दिया गया। इस घटना पर हिमाचल और पंजाब की सरकारों का कोई आधिकारिक ब्यान नहीं आया। यह घटना इसलिये महत्वपूर्ण हो जाती है कि है पंजाब में आप की सरकार बनने के बाद और आप के हिमाचल में चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद घटा है। इस सबका आने वाले दिनों में क्या प्रभाव देखने को मिलेगा यह तो आगे ही पता चलेगा। लेकिन इसको हल्के में लेना भी सही नहीं होगा।

इसी परिदृश्य में यह सवाल फिर खड़ा होता है कि क्या आम आदमी ने इसी सबके लिये इन दलों को समर्थन देकर यह सरकारें बनवायी है या फिर चुनाव में आम आदमी परोक्ष/अपरोक्ष में अप्रसांगिक होकर रह गया था। क्योंकि इन चुनाव से पहले और इनके दौरान भी व्यवस्था के प्रति उसका रोष उसकी हताशा पूरी तरह खुलकर सामने आ गयी थी। तभी तो वह व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति को सुनने तक के लिए तैयार नहीं था। उन्हें अपने गांव कस्बों से खदेड़ने तक आ गया था। इसी जन रोष के परिणाम स्वरुप सत्तारूढ़ भाजपा ने लखीमपुर में अपने गृह राज्य मंत्री को चुनाव प्रचार से हटा लिया था। उन्नाव और लखीमपुर खीरी सब जनता के सामने घटा है और उससे किसी भी सभ्य संवेदनशील व्यक्ति का रोष में होना स्वभाविक हो जाता है। लेकिन जब इतने रोष के बाद भी इन्हीं क्षेत्रों से व्यवस्था से जुड़े लोग सभी सीटों से चुनाव जीत जायें तो वह इसे कैसे आंकेगा। स्वाभाविक रूप से वह पूरी चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर ही संदेह करने लगेगा। इसी में जब उसके सामने यह आ जायेगा की ईवीएम मशीनें चोरी हो रही है तो उसका संदेह पुख्ता हो जायेगा। इस चुनाव में जब ईवीएम मशीनें ले जाते हुये एक ट्रक पकड़ा जाता है और दो भाग जाते हैं। वैलेट पेपर का एक बॉक्स कूड़े के ढेर में मिलता है। चुनाव आयोग को इसका संज्ञान अन्ततः लेना ही पड़ता है और वह संबद्ध अधिकारियों को निलंबित कर देता है तो चुनाव की निष्पक्षता पर उठने वाला हर सवाल स्वतः ही प्रमाणिक हो जाता है। फिर उसी चुनाव में एक पीठासीन अधिकारी का एक ऑडियो वायरल हुआ है जिसमें गंभीर आरोप लगे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता भानु प्रताप इसकी पत्रकार वार्ता करके जांच की मांग कर चुके हैं। ईवीएम पर की निष्पक्षता पर सबसे पहले भाजपा नेता डॉ. स्वामी ने एक याचिका के माध्यम से सवाल उठाये थे और तब वीवीपैट इसके साथ जोड़ी गयी थी। वीवीपैट को लेकर एक याचिका सर्वोच्च न्यायालय में लंबित चल रही है। इस तरह चुनावी प्रक्रिया से लेकर ईवीएम तक सब की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठ चुके हैं। जिन देशों ने ईवीएम के माध्यम से चुनाव करवाने की पहल की थी वह सब इस पर उठते सवालों के चलते इसे बंद कर चुके हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल भी ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं। इस परिदृश्य में यह आवश्यक हो जाता है कि चुनाव प्रक्रिया पर आम आदमी का विश्वास बहाल करने के लिए ईवीएम का उपयोग बंद करके बैलट पेपर के माध्यम से ही चुनाव करवाने पर आना होगा।

भारत में आसन्न नरसंहार की आशंका वाली खबर का सच

गौतम चौधरी

जेनोसाइड वॉच के संस्थापक और निदेशक ग्रेगरी स्टैंटन ने अमेरिकी कांग्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत में (मुसलमानों के) नरसंहार के शुरुआती संकेत और प्रक्रियाएं देखी जा रही है। 18 करोड़ मुसलमान जो भारत में सबसे बड़े अल्पसंख्यक समूह का हिस्सा है, उनसे जुड़े इन आरोपों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। आरोप, पांच प्रमुख पहलुओं के इर्द-गिर्द घूमते दिख रहे हैं जिनका स्पष्ट रूप से विश्लेषण करने की जरूरत है।

पहला, रवांडा में तुत्सी के नरसंहार के साथ तुलना, दूसरा, नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अपनाई गई भेदभावपूर्ण नीतियां, तीसरा, म्यांमार से रोहिंग्याओं के पलायन के साथ तुलना, चौथा, जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति में संशोधन और सीएए का कार्यान्वयन शामिल है, जो हिंदुओं के पक्ष में झुका हुआ है।

इन आरोपों का जवाब भी क्रमवार तरीके से दिया जा सकता है। मसलन, भारत दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक है। रवांडा जैसे ज्यादातर निरंकुश, सैन्य नियंत्रित शासन (तत्कालीन) के साथ भारत की तुलना, भारत जैसे जातीय, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से विविध देश के लोकतांत्रिक मूल्यों का मजाक है। मुसलमानों के पास विधानसभाओं के साथ-साथ संसद में भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व हैं। रक्षा बलों के लिए सैनिकों का चयन करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। भारत के सैन्य टुकड़ियों में बड़े पैमाने पर मुसलमानों का नियोजन है। जमीरुद्दीन शाह, उप सेनाध्यक्ष के पद तक को संभल चुके हैं। जब वीर अब्दुल हमीद के अंतिम विश्राम स्थल को अपवित्र किया गया, तो भारतीय सेना ने तुरंत कब्रिस्तान को बहाल कर दिया। आजादी के बाद मौलाना अबुल कलाम आजाद को देश का शिक्षा विभाग सौंपा गया। यही नहीं भारत के सर्वोच्च पद पर मुसलमान चुने जा चुके हैं। एपीजे अब्दुल कलाम ने भारत के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, मोहम्मद हामिद अंसारी 2005 से 2014 तक लगातार देश के उपराष्ट्रपति बने रहे। रवांडा में तुत्सी और हुतस के बीच संघर्ष को भारत में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तुलना करना मुनासिब नहीं है।

जेनोसाइड वॉच ने आगे आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत में मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपना रही है। 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। अगर नरसंहार की घड़ी के आरोप सही होते तो 2014 के बाद से मुसलमानों के लिए कोई कल्याणकारी कार्य नहीं किया गया होता। आंकड़े कुछ और ही कहते हैं। सरकार की एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) का उद्देश्य अल्पसंख्यकों के बच्चों और गर्भवती/स्तनपान कराने वाली माताओं का विकास करना है, एसएसए, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना, एकीकृत आवास और स्लम का कार्यान्वयन आदि का कार्यान्वयन गांवों में किया गया है, चाहे उनके लाभुक किसी भी धर्म से जुड़े हो। अल्पसंख्यक आबादी वाले क्षेत्रों में विकास कार्यक्रम और जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन ने लाखों अल्पसंख्यकों (मुसलमानों) के जीवन स्तर को काफी हद तक ऊपर उठाया है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम विशेष रूप से बहुसंख्यक लाभार्थियों वाले अल्पसंख्यकों को पूरा करता है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) ने लाखों अल्पसंख्यकों को लाभान्वित किया है, मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति योजना, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना और योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति योजना में केंद्रीय अनुदान के मामले में कई गुना वृद्धि देखी गई है, मौलाना आजाद राष्ट्रीय फैलोशिप अल्पसंख्यकों के लिए बनाई गई योजना को पिछले कुछ वर्षो से केंद्र सरकार द्वारा एक प्रमुख योजना के रूप में पेश किया जा रहा है। सीखो और कमाओ योजना ने देश के विभिन्न कोणों के सबसे गरीब मुसलमानों के जीवन को बदल दिया है, उस्ताद (विकास के लिए पारंपरिक कला/शिल्प में कौशल और प्रशिक्षण का उन्नयन) ने सरकार के उचित समर्थन के कारण हजारों मुसलमानों के जीवन को बदलने में मदद की। हुनर हाट, नया सवेरा, नई मंजिल, नई उड़ान, पढो परदेश, हमारी धरोहर आदि जैसी योजनाएं वर्तमान में लाखों मुस्लिम युवाओं के भविष्य को आकार दे रही हैं। जेनोसाइड वॉच ने अपने वक्तव्य में किसी तरह इन तथ्यों को नजरअंदाज किया है यह समझ से पड़े है।

जेनोसाइड वॉच ने आश्चर्यजनक रूप से भारत से भारतीय मुसलमानों के भविष्य के पलायन के साथ रोहिंग्याओं के पलायन की तुलना की। सच्चाई से कोसों दूर, तथ्य कुछ और ही कहते हैं। भारत ने आधिकारिक तौर पर भारत में 40,000 से अधिक रोहिंग्याओं को आश्रय प्रदान किया है। रोहिंग्या मुद्दे से जुड़े लोग जानते हैं कि अनौपचारिक डेटा बहुत अधिक है। रोहिंग्याओं को आश्रय देने वाले देश पर में भारत प्रमुख है, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर आता है। रोहिंग्याओं को आश्रय देने वालों में न तो पाकिस्तान ने कभी हाथ बढ़ाया और न ही किसी अन्य अमीर मुस्लिम देशों ने ऐसा किया। असम और भारत के अन्य हिस्सों में बांग्लादेशियों की आमद एक बड़ी समस्या है लेकिन भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से इसका विरोध नहीं किया है। जेनोसाइड वॉच ने इस तथ्य को भी नजर अंदाज किया। भारत ने 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान लाखों बांग्लादेशी शरणार्थियों को जगह प्रदान की, इस तथ्य के बावजूद कि उनमें से अधिकांश मुस्लिम थे।

भारत की आजादी के बाद से जम्मू और कश्मीर में उग्रवाद और अलगाववादी गतिविधियां देखी गई हैं। जम्मू और कश्मीर को अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा ने राज्य को कुछ स्वायत्तता प्रदान की थी, जिसमें राज्य के स्थायी निवासियों के लिए कानून बनाना भी शामिल था। इससे जम्मू-कश्मीर के निवासियों में अलगाव की भावना पैदा हो गई। इस विशेष दर्जे को हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर को भी भारत के किसी अन्य राज्य के समान हक हासिल हुआ। इससे कई बदलाव आए, जिनमें कश्मीर में आतंकवादी/अलगाववादी घटनाओं में कमी, पहली बार ब्लॉक विकास परिषद के चुनाव हुए, जिसमें कुल 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। आईआईटी जम्मू ने अपने आप से काम करना शुरू कर दिया। एम्स जम्मू का निर्माण शुरू हुआ। शानदार अंजी खड्ड ब्रिज, भारत का पहला केबल स्टे रेल ब्रिज जल्द ही जम्मू और कश्मीर में कटरा को रेसाई से जोड़ देगा। कश्मीर विश्वविद्यालय ने कश्मीर में अपने 24 संबद्ध कॉलेजों के साथ एनसीसी को एक सामान्य वैकल्पिक पाठयक्रम के रूप में शामिल किया है। कश्मीर ने रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के पूरा होने के साथ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। लिस्ट लंबी है। मुद्दा यह है कि जम्मू और कश्मीर ने सुशासन, ऊर्जा क्षेत्र में सुधार, बुनियादी ढांचे के विकास आदि के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास हो रहे हैं। जेनोसाइड वॉच ने अपनी रिपोर्ट में इन घटनाओं का जिक्र तक नहीं किया।

सीएए-एनआरसी ने हमेशा मीडिया द्वारा नकारात्मक कवरेज और गलत सूचना के कारण भारत में अल्पसंख्यकों से तीखी प्रतिक्रिया प्राप्त की है। भारत दुनिया का एकमात्र हिंदू बहुल देश है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदू भारत को प्रेरणा के रूप में देखते हैं। दूसरी ओर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि जैसे कई देश हैं जो घोषित रूप से मुस्लिम देश हैं। सीएए पड़ोसी देशों के हिंदू अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने का अवसर प्रदान करता है, जहां वे उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। हालांकि, सीएए विरोधी यह उल्लेख करना भूल जाते हैं कि पिछले पांच वर्षों में केवल 4000 विदेशियों को नागरिकता दी गई है, वह भी पुराने नागरिकता कानूनों के तहत और इसका सीएए से कोई लेना-देना नहीं है। यह मानदंड हिंदू और मुस्लिम दोनों के लिए समान रूप से उपलब्ध है। सीएए को मुस्लिम विरोधी के रूप में पेश करने वालों ने जानबूझकर इस तथ्य को नजर अंदाज किया कि मुसलमान हमेशा पुराने नागरिकता कानूनों के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं। सीएए के आधार पर नरसंहार की भविष्यवाणी करना और उपरोक्त तथ्य को छुपाना, जेनोसाइड वॉच द्वारा मुस्लिम नरसंहार पर हालिया रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है।

भारत ने हमेशा विविधता में एकता की अवधारणा की वकालत की है। पिछले कुछ दशकों में भारत ने अभूतपूर्व विकास देखा गया है। जो लोग भारत को विकासशील देश की श्रेणी में देखना चाहते हैं और भारत के महाशक्ति बनने के विचार से घृणा करते हैं, वे भारत के खिलाफ षडयंत्र करते रहे हैं। दूसरी ओर, भारतीय धीरे-धीरे इन षडयंत्र के सिद्धांतों को समझ गए हैं और यही कारण है कि कुछ विदेशी शक्तियां देश विरोधी ताकतों के साथ मिल कर भारत के विकास को बाधित करना चाहते हैं। जेनोसाइड वॉच को याद रखना चाहिए कि अगर भारत अटल बिहारी वाजपेयी का है, तो वह एपीजे अब्दुल कलाम का भी है। पंडित जवाहरलाल था तो उसमें अबुल कलाम की भी हिस्सेदारी थी। बाबा मोइउद्दीन चिश्ती, बाबा बुल्ले शाह, शेख फरीद अभी भी हमारे जहन में बसते हैं। फिरंगियों से हमने इकटठे लोहा लिया। उस लड़ाई में नाना पेशवा यदि सैन्य कमांडर थे तो युद्ध के केन्द्रबिन्दु बहादुर शाह जफर को बनया गया था।

तभी तो एक अंग्रेज प्रस्थ जरनैल के सवाल:

दमदमी में दम नहीं है खैर मांगो जान की।
ऐ ज़फर ठंडी हुई शमशीर हिन्दुस्तान की।।

पर जफर ने जवाब दिया:

गाजियों में बू रहेगी जब तलक ईमान की।
तख्ते लंदन तक चलेगी तेग हिन्दुस्तान की।।

2070 तक कार्बन-निरपेक्ष अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत के रोडमैप को समर्थन देने में कृषि-वानिकी और ट्री आऊट साइड फॉरेस्ट की क्षमता

–डॉ. विवेक सक्सेना, –
आईएफएस, एपीसीसीएफ और सीईओ,
हरियाणा राज्य वन कैम्पा प्राधिकरण

यूनाइटेड किंगडम के ग्लासगो में 2021 में आयोजित यूएनएफसीसी (संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फेमवर्क सम्मलेन) के कॉप 26 के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धताओं में 'पंचामृत' के पांच अमृत तत्वों को शामिल किया। निम्न प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में कृषि-वानिकी और वनों के बाहर वृक्षों के कार्यक्रम को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। वर्तमान और 2030 के बीच कुल अनुमानित उत्सर्जन में कम से कम एक बिलियन टन की कमी(देश की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करना, 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना। केंद्रीय बजट-2022 चार हस्तक्षेपों में से एक के रूप में कृषि-वानिकी पर विशेष जोर देता है। 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में अतिरिक्त 2.5 से 3 बिलियन टन कमी लाने के एनडीसी लक्ष्य और अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने से संबंधित 'जलवायु कार्य-योजन' रोडमैप, दूरदर्शी नेतृत्व की गंभीरता को दर्शाता है। इन लक्ष्यों में प्रमुख हैं-जैव विविधता संरक्षण, भूमि क्षरण तटस्थता (एलडीएन), जैव विविधता सम्मलेन (सीबीडी) के अंतर्गत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण प्रतिरोधक सम्मलेन (यूएनसीसीडी) आदि। 2019 में भारत में आयोजित यूएनसीसीडी कॉप-14 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बॉन चुनौती-प्राकृतिक परिदृश्य पुनर्स्थापना के तहत 21 एमएचए की घोषणा की थी, इसे कॉप 26 में बढ़ाकर 2030 तक 26 एमएचए करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो किसी भी देश द्वारा लिया गया सबसे बड़ा संकल्प है। इन प्रतिबद्धताओं और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कृषि-वानिकी और वनों के बाहर वृक्षों (टीओएफ) की क्षमता का बेहतर उपयोग करने की आवश्यकता है। कृषि-वानिकी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं, विशेष रूप से कार्बन अवशोषण के जरिये कार्बन में कमी लाने के प्रावधान का विस्तार करती है और समावेशी आर्थिक अवसरों में वृद्धि करती है। कृषि-वानिकी और टीओएफ, ईंधन की लकड़ी तथा अन्य लकड़ी-उत्पाद की जरूरतों को पूरा करके प्राकृतिक वनों पर पड़नेवाले दबाव को कम करते हैं।

कृषि-वानिकी और टीओएफ में निजी भूमि एवं खेतों में उगने वाले पेड़ शहरी क्षेत्रों में तथा सड़कों, रेलवे लाइनों व नहरों के किनारों के वृक्ष औद्योगिक क्षेत्रों में और उसके आस-पास के वृक्षारोपण कृषि योग्य भूमि की हवा, क्षरण आदि से सुरक्षा के लिए लगाये जाने वाले पंक्तिबद्ध पेड़ और सरकार एवं अन्य संस्थानों की भूमि में लगे पेड़ आदि शामिल हैं। खेतों और अन्य निजी भूमि पर टीओएफ, किसानों को इमारती लकड़ी, ईंधन की लकड़ी, फलों और अन्य उत्पादों से आय और आजीविका प्रदान करते हैं। ये टीओएफ भारत सहित विभिन्न विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त, टीओएफ सांस्कृतिक, सामाजिक और पारितंत्र कार्यो को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं, जो मानव आजीविका के लिए जरूरी हैं। टीओएफ कार्बन को अवशोषित करते हैं, मिट्टी को स्थिर करते हैं, पानी और हवा को साफ़ करते हैं, जल प्रवाह को नियंत्रित करते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े अन्य कार्य करते हैं। जब पेड़ सड़कों और नहरों के किनारे, संस्थागत क्षेत्रों में या शहरी क्षेत्रों में लगाये जाते हैं, तो टीओएफ छोटे क्षेत्र की जलवायु को बेहतर बनाते हैं, छाया प्रदान करते हैं, कुछ वायु प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं, हरे-भरे स्थानों को सुशोभित करते हैं, पक्षियों और अन्य छोटे जीवों के लिए घोंसला और आवास प्रदान करते हैं, स्टॉर्म-वाटर को विनियमित करने में मदद करते हैं और मानव कल्याण में योगदान देते हैं।

हरियाणा राज्य ने प्रदर्शित किया है कि वन और प्राकृतिक संसाधनों की कमी वाला राज्य, जहां वन क्षेत्र के अंतर्गत केवल 3.5 प्रतिशत भूमि है और 80 प्रतिशत भूमि कृषि के तहत है, देश की खाद्य सुरक्षा और लकड़ी की सुरक्षा का समर्थन कर सकता है। यह मुख्य रूप से कृषि-वानिकी के अनुकूल नीतियों को बढ़ावा देने और वनों के बाहर पेड़ लगाने के लिए वृक्षारोपण अभियानों को प्रोत्साहित करने के कारण है। लकड़ी आधारित उद्योगों के लिए निवेशक और उद्योग के अनुकूल वातावरण, मुख्य रूप से खेत से लकड़ी की आपूर्ति और किसानों को यूकेलिप्टस और पॉपलर जैसे उच्च उत्पादकता एवं अल्प-अवधि रोपण वाले पाधों की उपलब्धता आदि ने यमुनानगर जिले को देश की प्लाईवुड राजधानी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्लोनल यूकेलिप्टस और पॉपलर के पेड़ों की कटाई की अवधि मात्र 4-6 साल की होती है। किसानों की आय में कृषि फसलों के साथ लकड़ी के उत्पादन से वृद्धि होती है। इसके अलावा, कृषि-वानिकी सूखा, ओले, अत्यधिक तापमान, वर्षा या अन्य कारणों से फसल खराब होने की स्थिति में पेड़ों से होने वाली आय के माध्यम से आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। मजबूत औपचारिक और अनौपचारिक बाजार सहयोग, विपणन एजेंसियां और उत्पादकों, उद्योगों, उपभोक्ताओं और अंतिम उपयोगकर्ताओं को जोड़ने वाली मूल्य श्रृंखला भी विकसित हुई है। राज्य में करीब 350 प्लाईवुड इकाइयां हैं। यमुनानगर वुड मार्केट भारत के प्लाईवुड उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। अनुमान है कि कृषि भूमि से प्राप्त 2500 से 3000 करोड़ रुपये मूल्य की लकड़ी का कारोबार यमुनानगर और आसपास के क्षेत्रों में होता है। प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड, पोल आदि के रूप में लगभग 6500 से 8000 करोड़ रुपये मूल्य की तैयार और मूल्यवर्धित लकड़ी के उत्पादों ने क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनुमान है कि लकड़ी की कटाई, विपणन और उत्पादन से संबंधित गतिविधियों में सालाना लगभग 0.1 मिलियन लोगों को रोजगार मिलता हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मज़बूत और दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा राज्य ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिबद्धताओं का समर्थन करने के लिए कई पहल की हैं। 2021 में शुरू की गई 'ऑक्सी-वैन' योजना का उद्देश्य 'प्राकृतिक ऑक्सीजन कारखानों के रूप में छोटे वन' को प्रोत्साहन देना है, ताकि लोगों को, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, बेहतर परिवेश और गुणवत्तापूर्ण ऑक्सीजन मिल सके। ऑक्सीजन संकट को ध्यान में रखते हुए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि सभी को कोविड महामारी के दौरान इसका सामना करना पड़ा था। 'प्राण वायु देवता' योजना का उद्देश्य पारिस्थितिकी और पर्यावरण के लिए अत्यधिक मूल्यवान पेड़ों की रक्षा एवं संरक्षण करना है और पुराने वृक्षों के संरक्षण के लिए लोगों की भावना को विकसित करना है, जो जीवन रक्षक ऑक्सीजन सहित मानवता को मूल्यवान लाभ और सेवाएं प्रदान करते हैं। योजना, पेड़ के संरक्षक को 2500 रुपये की वार्षिक पेंशन देकर 75 वर्ष से अधिक पुराने और विरासत के पेड़ों के महत्व को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2021 के अवसर पर हरियाणा राज्य ने कम से कम 10 प्रतिशत ग्राम पंचायत भूमि पर कृषि वानिकी और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की योजना शुरू की है। मृदा और नमी संरक्षण के लिए 'मेरा पानी, मेरी विरासत' योजना शुरू की गई है, जो किसानों के लिए फसल विविधीकरण से सम्बंधित है। यह योजना किसान या भू-स्वामी को धान के बदले दूसरी फसलों की खेती को अपनाने के लिए 7000 रुपये प्रति एकड़ का प्रोत्साहन देती है। यह जल संरक्षण पहल, पानी और मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण से भी रक्षा करेगी।

यूकेलिप्टस (यूकेलिप्टस टेरेटिकोर्निस) और पॉपुलस एसपीपी (पॉपुलस डेलटोइड्स) आधारित कृषि-वानिकी की सफलता और यमुनानगर एवं उत्तरी मैदानी भागों में इन प्रजातियों को अपनाने की मुख्य वजह अन्य प्रजातियों की तुलना में 5 से 7 साल की छोटे अवधि है। इन पेड़ों से प्राप्त लकड़ी का उत्पादन व विपणन स्थापित बाजार आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ा है। इसका उपयोग प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड, आवरण-लकड़ी और संबद्ध उद्योगों में होता है, जो मूल्यवर्धन, आर्थिक लाभ और हरित आजीविका की सुविधा प्रदान करती हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का प्लाईवुड बाजार 195.8 बिलियन रुपये का हो गया है। अनुमान है कि 2022-23 से 2027-28 के दौरान 7.4 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ भारतीय प्लाईवुड बाजार 2027-28 तक 297.2 अरब रुपये का हो जाएगा। (www.imarcgroup.com/i ndian-plywood-market/toc) बाज़ार में लकड़ी की मांग को पूरा करने के लिए कृषि-वानिकी एक बड़ा अवसर प्रदान करती है। उपयुक्त नीतिगत उपाय, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण द्वारा समर्थन, लकड़ी आधारित उत्पादों का विविधीकरण, लकड़ी उत्पादकों को उचित लाभ सुनिश्चित करना, ताकि वे कृषि-वानिकी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो सकें, उपलब्ध लकड़ी का उपयोग करने तथा कृषि-वानिकी आधारित संतुलित औद्योगिक विकास के लिए रणनीतिक स्थानों पर उद्योगों की स्थापना और नियमित बाजार अनुसंधान आवश्यक हैं। देश के विभिन्न राज्यों की क्षमता के उपयोग के लिए कृषि जलवायु क्षेत्रों पर आधारित उपयुक्त कृषि-वानिकी और टीओएफ मॉडल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

हरियाणा मॉडल, सफलता की एक कहानी है, जिसे विश्व स्तर पर व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। राज्य-विशेष उपयुक्त कृषि-वानिकी और टीओएफ मॉडल को तैयार करने व अपनाने की आवश्यकता है, ताकि बेहतर प्राकृतिक परिदृश्य प्रबंधन के माध्यम से जैव विविधता, जल विज्ञान, बाढ़ शमन और कार्बन अवशोषण सहित पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण से जुड़ी सेवाओं को विस्तार दिया जा सके। यह, 2070 तक कार्बन-निरपेक्ष अर्थव्यवस्था के लिए भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप 'जलवायु कार्य-योजना' तैयार करने में तथा कृषि-वानिकी और टीओएफ की क्षमता का उपयोग करने में सुविधाएं प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री राहत कोष बना जरूरतमंदों के लिए आशा की एक किरण

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के अति गरीब व सभी ज़रुरतमन्द व्यक्तियों की सहायता करने की दिशा में ईमानदार प्रयास कर रही है। सरकार द्वारा ऐसे सभी गरीब एवं पात्र लोगों को विभिन्न विभागों के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अधीन लाया जा रहा है।

इन योजनाओं के अतिरिक्त, मुख्यमंत्री राहत कोष आपात स्थितियों में सहायता के लिये हर संभव कोशिश कर रहे गरीब एवं बेसहारा लोगों के लिये आशा की किरण साबित हुआ है। मुख्यमंत्री राहत कोष से वित्तीय सहायता मुख्यमंत्री के विवेक पर मानवीय आधार पर प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री राहत कोष से राज्य में पिछले चार वर्षों के दौरान चिकित्सा उपचार तथा आपातकाल के दौरान खर्चों को पूरा करने के लिये 28,535 पात्र व्यक्तियों को 69,39,86,378 रुपये की राशि प्रदान की गई है। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान इस निधि से 6,413 ज़रुरतमन्द लोगों को 13,21,24,419 रुपये की राशि वितरित की गई। वर्ष 2020-21 में 7,371 व्यक्तियों को 17,23,09,008 रुपये की वित्तीय सहायता तथा वर्ष 2021 से फरवरी, 2022 तक 7,273 व्यक्तियों को 16,03,61,600 रुपये का लाभ प्रदान किया गया है। पिछले चार वर्षों के दौरान निजी तौर पर, कंपनी निकायों तथा विभिन्न संगठनों से मानवीय प्रयोजन के लिये 46,99,13,882 रुपये की राशि अंशदान के रूप में प्राप्त हुई है।

राज्य सरकार समय-समय पर नागरिकों, कंपनियों तथा संगठनों को इस निधि में उदारतापूर्वक दान करने का आग्रह कर रही है, क्योंकि यह धनराशि अस्वस्थ एवं व्यथित गरीब लोगों को राहत पहुंचाने के लिये वितरित की जाती है, विशेषकर जब इन लोगों को सहायता का अन्य कोई साधन उपलब्ध नहीं होता। जिम्मेवार नागरिक होने के नाते हम सभी को इस निधि में अंशदान के लिये लोगों को प्रेरित करना चाहिए। निधि में केवल स्वेच्छा से योगदान किया जाता है।

इस निधि के लिये अंशदान 'मुख्यमंत्री राहत कोष' हिमाचल प्रदेश, शिमला-171002 में चेक, बैंक ड्राफ्ट, नकद अथवा हि.प्र. राज्य सहकारी बैंक के खाता संख्या 4060100315 (आईएफएससी कोड-वाईईएसबी एचपीबी406) में इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण से किया जा सकता है। इस निधि में किया गया अंशदान आयकर अधिनियम की धारा 80-जी के अन्तर्गत पूरी तरह से आयकर मुक्त है तथा इस छूट के लिये इसका पैन नम्बर एएबीटीसी5563बी है।

इस राशि के अन्तर्गत तकनीकी अथवा व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे उत्कृष्ट गरीब विद्यार्थियों को भी राहत प्रदान की जा रही है। अनुसूचित जाति से सम्बन्धा रखने वाले विद्यार्थियों को बेशक वे पठन में उत्कृष्ट नहीं हैं, की सहायता के लिये भी मुख्यमंत्री सहानुभूतिपूर्वक विचार कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री राहत कोष से ऐसी विधवाओं, जिनके पास अपने बच्चों का भरण-पोषण करने के लिये आय का कोई साधन नहीं है, कवियों एवं विद्वानों जिन्होंने राष्ट्र के लिये उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं, को भी सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक आपदाओं के कारण क्षति से जूझ रहे व्यक्तियों, परिवार में कमाने वाले व्यक्ति के आकस्मिक निधन, गम्भीर बीमारियों में चिकित्सा उपचार तथा किसी भी प्रकार के अन्य मामले जहां मुख्यमंत्री मांग की उपयुक्तता को देखते हुए निजी तौर पर संतुष्ट हों, ऐसे विशेष मामलों में भी इस निधि से सहायता प्रदान की जा रही है।

इस प्रकार की करुणा एवं सहानुभूति का एक छोटा-सा प्रयास अनमोल जीवन के लिये संजीवनी साबित हो सकता है और इस प्रकार की संवेदनशीलता हम सभी में होनी आवश्यक है ताकि हम जिस समाज में रह रहे हैं, उसके लिये कुछ योगदान कर सकें और आवश्यकता पड़ने पर एक दूसरे की सहायता कर सके। मुख्यमंत्री राहत कोष संकट की घड़ी में गरीबों और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के इस उद्देश्य में हमें प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री ने दून विधानसभा क्षेत्र के बद्दी में 88 करोड़ रुपये की 11 विकासात्मक परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास किए

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने जिला सोलन के अन्तर्गत दून विधानसभा क्षेत्र के बद्दी में 88 करोड़

रुपये की लागत की 11 विकासात्मक परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन किए।

जय राम ठाकुर ने हिमुडा परिसर बद्दी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पट्टा में खंड विकास अधिकारी कार्यालय, राजकीय उच्च विद्यालय शेरा और जगजीत नगर को वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राजकीय माध्यमिक विद्यालय सुधार को उच्च विद्यालय, मानपुरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने और राजकीय प्राथमिक विद्यालय मख्खूमाजरा को माध्यमिक विद्यालय में स्तरोन्नत करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने में 12.56 करोड़ रुपये की लागत से बद्दी-बरोटीवाला सड़क पर बलाड़ खड्ड पर निर्मित फुटपाथ वाला डबल लेन पुल सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण के लिए बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ विकास प्राधिकरण ने निधि प्रदान की और इसका निर्माण राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, लेकिन सौभाग्यवश हम इस स्थिति से बाहर निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय नरेन्द्र मोदी के सक्षम एवं दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है। उन्होंने कहा कि देश ने सफलतापूर्वक विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया और हिमाचल प्रदेश इस अभियान में शत-प्रतिशत लक्षित पात्र आबादी के टीकाकरण में अग्रणी बना।

जय राम ठाकुर ने बद्दी-बरोटीवाला मार्ग पर बलाड़ खड्ड पर 12.56 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित फुटपाथ वाले डबल लेन पुल, बद्दी में 1.75 करोड़ रुपये के निरन्तर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन, 12.50 करोड़ रुपये की लागत से मानपुरा-धर्मपुर मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं सुधार कार्य, 1.95 करोड़ रुपये की लागत से चनाल मजरा सम्पर्क मार्ग पर पुल, 2.31 करोड़ रुपये की लागत से उठाऊ जल आपूर्ति योजना धेला, बद्दी में 4.50 करोड़ रुपये के अग्निशमन केंद्र के भवन तथा तहसील बद्दी के किशनपुरा में 3.16 करोड़ रुपये की लागत से महिला आरक्षियों के लिए बैरक व एनजीओ के लिए बैरक का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने 49 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी किए जिसमें 1.57 करोड़ रुपये की ट्यूबवेल की विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं की पंपिंग मशीनरी की प्रतिस्थापना और स्वचालन, तहसील बद्दी के बौणी, भटौली के बलाड़ खड्ड पर 7.81 करोड़ रुपये का चौक डैम, 31.75 करोड़ रुपये की उठाऊ जल आपूर्ति योजना दूमनवाला, बरोटीवाला, कोटिया, मंधाला, लदेवाल, अमरू व बवासनी के संवर्द्धन कार्य तथा 7.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले बीबीएनडीए के कार्यालय भवन की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनैतिक संगठनों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया।

दून विधानसभा क्षेत्र के विधायक परमजीत सिंह पम्मी ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा दून विधानसभा क्षेत्र में 11 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने गरीब व जरूरतमद लोगों के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न विकासात्मक मांगों की भी जानकारी प्रदान की।

जल प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष दर्शन सिंह सैनी ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्यों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने हमीरपुर 65 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने हमीरपुर जिला की हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के लम्बलू में 165

करोड़ रुपये लागत की 19 विकासात्मक परियाजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किये।

लम्बलू में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने लम्बलू में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पशु अस्पताल खोलने, पशु औषधालय ताल को पशु अस्पताल में स्तरोन्नत करने तथा राजकीय उच्च पाठशाला पथियान को वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में स्तरोन्नत करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि सम्भवतः पहली बार एक ही दिन में 165 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा समर्पित की गई 38.31 करोड़ रुपये की उठाऊ जलापूर्ति योजना का शिलान्यास दो वर्ष पूर्व किया गया था। इस योजना के माध्यम से दुघा पंजाली कल्लर कटोचा, कल्लर पुरोता, लम्बलू, भाली भेलाड़ा, कंगरू गसोता, भल्ला, जमली मन्दिर और थाना गुम्मर के गांवों को पेयजल सुविधा मिलेगी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि पिछले चार वर्षो के दौरान वर्तमान राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य गरीबों और कमजोर वर्गों का सामाजिक, आर्थिक उत्थान सुनिश्चित करना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य कमजोर वर्ग का उत्थान करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार का प्रथम ही निर्णय वृद्धजनों के उत्थान और बेसहारा पशुओं को आश्रय प्रदान करने के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि गौ अभयारण्यों और गौ सदनों में प्रति मवेशी प्रतिमाह 500 रुपये प्रदान किए जा रहे थे जिसे वर्ष 2022-23 के बजट में बढ़ाकर 700 प्रतिमाह प्रति मवेशी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने नाबार्ड के अन्तर्गत 1.78 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित घुराड़ गांव के सम्पर्क मार्ग, नाबार्ड के अन्तर्गत 85 लाख रुपये की लागत से निर्मित तरोपका से स्वाहलग सम्पर्क मार्ग, हर घर नल से जल योजना के अन्तर्गत दुगा पंजाली, कल्लार कटोच, कल्लार पुरोथान लम्बलू, भारी भलेरा, कंगरू गसोता, भल्ला जमाली मन्दिर और थाना गुम्मर के लिए 38.31 करोड़ रुपये की उठाऊ जलापूर्ति योजना, नाबार्ड के अन्तर्गत 2.28 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गांव बराल से दुगनेहरी सम्पर्क मार्ग, 4.43 करोड़ रुपये की लागत से ससान से बालेटा खुराद के सुधार कार्य और चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर में 93 लाख रुपये की लागत से निर्मित 800 एलपीएम क्षमता के पीएसए ऑक्सीजन संयत्र का लोकार्पण किया।

उन्होंने 1.18 करोड़ रुपये की खानेऊ पंडोला दुघली नुहारा से संपर्क मार्ग, 3.17 करोड़ रुपये की बहुतकनीकी महाविद्यालय बरू में हेलीपैड, ग्राम खतवीन के लिए सुखर खड्ड पर 3.93 करोड़ का पुल, 66 लाख रुपये की राजकीय उच्च पाठशाला नालंगर में परिसर विकास के तहत 4 क्लास रूम, 22.65 करोड़ रुपये की नलटी से गलौरा मार्ग के सुधार एवं चौड़ीकरण, खेती योग्य भूमि और अन्य संपत्ति की सुरक्षा के लिए 6.85 करोड़ रुपये की कुन्नाह खड्ड और विभिन्न नाले में बाढ़ सुरक्षा कार्य, 1.35 करोड़ रुपये की उठाऊ जल आपूर्ति योजना मस्याना बाजुरी के सुधार और संवर्द्धन कार्य, 1.13 करोड रुपये की उठाऊ जल आपूर्ति योजना खगल भटवारा के सुधार एवं संवर्द्धन कार्य, 85 लाख रुपये की उठाऊ सिंचाई योजना नलटी का सुधार, 7.72 करोड़ रुपये की उठाऊ सिंचाई योजना नलटी और टिक्कर चालोखर के संवर्द्धन कार्य, ब्रहलारी में 58.73 करोड़ रुपये से बनने वाले अटल आदर्श विद्यालय, हमीरपुर में राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय बडू में 7.80 करोड रुपये के यांत्रिक खण्ड तथा 40 लाख रुपये के उमापति गौ धाम लम्बलू की आधारशिला भी रखी।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने बेसहारा पशुओं की समस्या के समाधान और उन्हें आश्रय प्रदान करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने राज्य के विभिन्न हिस्सों में कई गौ अभयारण्य और गौ सदन स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद किया, जो 20,000 से अधिक परित्यक्त मवेशियों को आश्रय प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुओं की गणना दो महीने के भीतर पूरी कर ली जाएगी जिससे सरकार को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि कोई भी अपने पशुओं को सड़कों पर न छोड़े।

विधायक हमीरपुर नरेंद्र ठाकुर ने अपने गृह क्षेत्र में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए हमीरपुर निर्वाचन क्षेत्र में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं को समर्पित करने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

प्रदेश में साहसिक एवं धार्मिक पर्यटन सर्किट स्थापित करने पर विशेष बल दे रही सरकार

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने प्रदेश के अनछुए क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाते हुए प्रदेश में आने वाले सैलानियों को इन क्षेत्रों की ओर आकर्षित करने पर बल दिया। मुख्यमंत्री यहां आयोजित पर्यटन विभाग की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के बाहर देश के मुख्य शहरों में होर्डिंग इत्यादि के माध्यम से व्यापक प्रचार कर अधिक से अधिक सैलानियों को प्रदेश में आने के लिए आकर्षित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए पर्यटन केन्द्र विकसित करने और हवाई सेवाओं के विस्तार के साथ ही साहसिक एवं धार्मिक पर्यटन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए नए पर्यटन सर्किट स्थापित किए जाने चाहिए। उन्होंने धार्मिक, साहसिक, सप्ताहांत, प्रकृति और जनजातीय पर्यटन के रूप में नए पर्यटन सर्किट विकसित किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि मण्डी में शिवधाम परियोजना का पहला चरण पूर्ण होने को है और यह मण्डी शहर में आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का एक केन्द्र होगा। उन्होंने कहा कि मण्डी जिला के जंजैहली में ईको टूरिज्म स्थल विकसित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत ट्रैकिंग रूट का स्तरोन्नयन, नए विश्राम गृहों और दृष्य स्थलों का निर्माण, टेंट, वन विश्राम गृह और वन कुटीर का स्तरोन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाखली में नेचर पार्क भी बनकर तैयार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लारजी में 7 करोड़ रुपये लागत से दो दृष्य स्थलों, कैफेटेरिया और वाटर जैटीज का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पौंग बांध के सौन्दर्यकरण और पर्यटन की दृष्टि से इसे विकसित करने पर 1.37 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के अन्तर्गत नौ कॉटेज और अन्य सौन्दर्यकरण के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

जय राम ठाकुर ने कहा कि पर्यटकों को आकर्षित करने के दृष्टिगत प्रदेश सरकार रोपवे विकास पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि सोलंग, जाखू और धर्मशाला रोपवे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है और यह तीनों

पर्यटकों के लिए खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आदी हिमानी चामुण्डा रोपवे, बिजली महादेव, पलचान-रोहतांग और श्री आनंदपुर सहिब-श्री नैनादवी जी रोपवे के निर्माण पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला जिले के चांशल को शीतकालीन खेल गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक खरशाली झील के जीर्णोद्धार, लरोट एवं मोरल डंडा में कैम्प साइट विकसित करने सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के निर्माण के लिए 5.31 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

जय राम ठाकुर ने कहा कि मण्डी जिले के कांगणीधार और शिमला में हेलीपोर्ट का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए रामपुर, बद्दी और सासे हेलीपोर्ट के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है।

प्रधान सचिव पर्यटन देवेश कुमार ने कहा कि जिन परियोजना का कार्य पूर्ण होने को है, उन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं का कार्य समयबद्ध पूर्ण कर लिया जाएगा।

निदेशक पर्यटन एवं हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के प्रबन्ध निदेशक अमित कश्यप ने बैठक की कार्यवाही का संचालन किया। उन्होंने विभाग की विभिन्न उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने सुजानपुर की राष्ट्र स्तरीय होली उत्सव की अन्तिम सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने हमीरपुर में सुजानपुर के राष्ट्र स्तरीय होली मेले की अन्तिम

सांस्कृतिक संध्या का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले और त्यौहार हमारी विविध और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के परिचायक है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इन्हें संरक्षित करने और बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण पिछले लगभग दो वर्षों के दौरान अधिकतर मेले और त्यौहार व्यापक स्तर नहीं मनाए गए। उन्होंने होली के पावन अवसर पर आम जनता विशेषकर सुजानपुर क्षेत्र के लोगों को बधाई दी। उन्होंने सुजानपुर में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के मंडल और जल शक्ति मंडल खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने पशु औषधालय मझोग सुल्तानपुरी को पशु चिकित्सा अस्पताल में स्तरोन्नत करने की भी घोषणा की।

जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश और देश इस महामारी से बाहर आ रहा है और इसका श्रेय देश के लोगों को निःशुल्क उपलब्ध करवाएं गए स्वेदशी टीके को जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व के कारण ही यह सम्भव हो पाया है। उन्होंने इस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए लोगों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने समाज के हर वर्ग का कल्याण और प्रत्येक क्षेत्र का विकास सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार का प्रथम ही निर्णय वृद्धजनों के उत्थान और बेसहारा पशुओं को आश्रय प्रदान करना था।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेला कमेटी द्वारा प्रकाशित की गई स्मारिका का विमोचन भी किया।

पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उत्सव वर्ष 1796 से मनाया जा रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस उत्सव ने और अधिक लोकप्रियता हासिल की है। उन्होंने सुजानपुर में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड और जल शक्ति विभाग का मंडल खोलने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर हमीरपुर की उपायुक्त और मेला कमेटी की अध्यक्ष देबश्वेता बनिक ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और होली उत्सव के इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण यह उत्सव दो वर्षों के अन्तराल के बाद मनाया जा रहा है। उन्होंने इस महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।

इंडियन आईडल फेम अंकुश भारद्वाज ने सांस्कृतिक संध्या में अपनी सुरीली आवाज से सभी को मंत्र मुग्ध किया।

इस अवसर पर उप-मुख्य सचेतक कमलेश कुमारी, विधायक हमीरपुर नरेंद्र ठाकुर, जिला भाजपा अध्यक्ष बलदेव शर्मा, हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष विजय अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष गौ सेवा आयोग अशोक शर्मा, कौशल विकास निगम के राज्य संयोजक नवीन शर्मा, एपीएमसी के अध्यक्ष अजय शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ. आकृति शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राज्यपाल ने लोकतंत्र विजय दिवस समारोह में भाग लिया

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नई दिल्ली में

आयोजित लोकतंत्र विजय दिवस समारोह में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। इस समारोह का आयोजन लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा आपातकाल की समाप्ति की स्मृति में किया गया। राज्यपाल ने इस अवसर पर आपातकाल के संस्मरण को सांझा करते हुए कहा की मजबूत लोकतंत्र ही देश की प्रगति का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा की आज हमें भारतीय होने पर गर्व है क्योंकि भारत एक मजबूत और विकासशील देश बनकर उभरा है। इसके लिए केंद्र सरकार बधाई की पात्र है। सरकार ने देश की अखंडता को मजबूत बनाए रखने के लिए बेहतरीन प्रयास किए हैं। यह सबका दायित्व है की हम राष्ट्र विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करें। हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र सेनानी संघ के अध्यक्ष कवंर विजय सिंह ने राज्यपाल का स्वागत किया।

इस अवसर पर सांसद सुशील मोदी, सत्यनारायण जटिया, अशोक वाजपेई और राजेंद्र गहलोत भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कुल्लू कार्निवाल का शुभारंभ किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कुल्लू के रथ मैदान में आयोजित कुल्लू कार्निवाल का शुभारंभ

किया। इस कार्निवाल का आयोजन पहली बार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कार्निवाल के आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इससे मनोरंजन के साधन के साथ-साथ व्यापार, संस्कृति के प्रसार और संरक्षण एवं पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने में मदद मिलेगा। उन्होंने कहा कि कोविड के दौर के बाद ऐसा आयोजन लोगों के लिए उत्साह वर्धक है।

इस अवसर पर शिक्षा, भाषा कला एवं संस्कृति मंत्री गोविन्द सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा कार्निवाल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

सिलाई अध्यापिकाओं की सेवाओं को नियमित करने के लिए गठित होगी समितिः मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। सिलाई अध्यापिकाओं का पदनाम पुनः नामित करने और उनकी सेवाओं को नियमित करने के लिए नीति तैयार करने के संबंध में एक समिति का गठन किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने ओक ओवर में उनसे मिलने पहुंची सिलाई अध्यापिकाओं के एक

प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित करते हुए कही। सिलाई अध्यापिकाओं का यह प्रतिनिधिमंडल भारतीय मंजदूर संघ के अध्यक्ष मदन राणा की अध्यक्षता में सिलाई अध्यापिकाओं के मानदेय में प्रतिमाह 900 रुपये की बढ़ौतरी किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने पहुंचा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार कर्मचारियों, सहित विभिन्न विभागों के पैरा वर्कर्ज के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि पंचायत सचिवों की 20 प्रतिशत सीटें सिलाई अध्यापिकाओं से भरी जाएं और इसकी अधिसूचना शीघ्र जारी की जाएगी। जय राम ठाकुर ने कहा कि सरकार हर स्तर पर महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना, बेटी है अनमोल, शगुन योजना आदि इस दिशा में शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में पहली बार जेंडर बजटिंग घटक प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर और मिड-डे मील वर्कर के मानदेय में वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिमाह 900 रुपये की वृद्धि के साथ सिलाई अध्यापिकाओं को अब 7950 रुपये प्रतिमाह मानदेय के रूप में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल के दौरान सिलाई अध्यापिकाओं के मानदेय में कुल 1650 रुपये बढ़ौतरी की गई है। उन्होंने कहा कि दिहाड़ीदारों की दिहाड़ी में 50 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि दिहाड़ीदारों को अब प्रतिमाह 1500 रुपये अधिक मिलेंगे।

भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष मदन राणा ने श्रमिक वर्ग की विभिन्न मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा राज्य का श्रमिक वर्ग, पैरा वर्कर्ज और दिहाड़ीदार उनके मानदेय में ऐतिहासिक वृद्धि करने के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष हंसराज, भारतीय मजदूर संघ के महासचिव यशपाल, सिलाई अध्यापिका एसोसिएशन की अध्यक्ष सुनीता राणा सहित अन्य उपस्थित थे।

जेबीटी के रिक्त पदों को बैंचवाईज भर्ती जल्द शुरु करेगी प्रदेश सरकारः मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। प्रदेश के प्रशिक्षित जेबीटी युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर प्रदान करने के लिए राज्य सरकार शीघ्र ही शैक्षणिक संस्थानों में जेबीटी के रिक्त पदों को भरने के लिए बैच वाइज भर्ती शुरू करेगी। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने विधानसभा परिसर में हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग संभवतया सबसे बड़ा विभाग है जहां सबसे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ग के अध्यापकों को सुविधा प्रदान करने के लिए वर्ष 2022-23 के बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। बजट में बीएड और टेट योग्यता प्राप्त शास्त्री और भाषा अध्यापकों के पदनाम को बदलकर टीजीटी (संस्कृत) और टीजीटी (हिन्दी) करने की घोषणा की है। इसी प्रकार प्रवक्ता (स्कूल कैडर) और प्रवक्ता (स्कूल न्यू) का पदनाम प्रवक्ता (स्कूल) किया गया है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि अगामी वित्तीय वर्ष के बजट में यह भी घोषणा की गई है कि टीजीटी से पदोन्नत प्रवक्ता को मुख्याध्यापक के रूप में पदोन्नति के लिए एक बार विकल्प दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र के लिए वर्ष 2022-23 के दौरान 8412 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों की सभी उचित मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महामारी के बावजूद कर्मचारियों के वेतन में एक दिन की भी देरी नहीं हुई है।

हिमाचल प्रदेश शिक्षक महासंघ (अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ) के प्रांत महामंत्री डॉ. माम राज पुंडीर ने शिक्षकों के विभिन्न मुद्दों पर हमेशा ध्यान देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को महासंघ का मांगपत्र भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री और अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिटंर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाषः 0177-2805015, 94180-15015 फैक्सः 2805015

मणिकरण प्रकरण को असामाजिक तत्वों का कृत्य बताकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती

असामाजिक तत्वों के खिलाफ आप की पंजाब सरकार की कारवाई क्यों नहीं आयी सामने

शिमला/शैल। शिमला/शैल। पंजाब की ऐतिहासिक जीत से उत्साहित होकर आप ने हिमाचल में भी विधानसभा की सभी 68 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस ऐलान के बाद पार्टी के केंद्रीय कार्यालय ने आठ सदस्यों की कमेटी का भी प्रदेश का कार्य देखने के लिये गठन कर दिया है। इसके मुताबिक दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रे सत्येंद्र जैन को विधानसभा चुनावों का प्रभारी बनाया गया है। इनके अतिरिक्त दुर्गेश पाठक को प्रदेश प्रभारी, रत्नेश गुप्ता, कर्मजीत सिंह, कुलवंत बाथ को सह प्रभारी सतेन्द्र टोंगर को संगठन मंत्रे विपिन राय को चुनाव प्रभारी का सचिव और दीपक बाली को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। स्मरणीय है कि इस टीम के सभी लोग दिल्ली के हैं और हिमाचल से किसी को भी टीम में जगह नहीं दी गयी है। जबकि पार्टी का यह दावा है की सभी 68 विधानसभा क्षेत्रें में उनकी ईकाइयां कार्यरत हैं और पंजाब परिणामों के बाद दस हजार से अधिक लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। यह निश्चित है कि आम आदमी पार्टी हिमाचल में पूरी गंभीरता से चुनाव लड़ेगी। क्योंकि उसको राष्ट्रीय पार्टी होने के लिये उसे कम से कम चार राज्यों में 6: वोट चाहिए। इस समय हिमाचल में कांग्रेस के पास वीरभद्र सिंह और भाजपा के पास प्रो. धूमल जैसा कोई नेता नहीं है। इस कारण से हिमाचल में आप को यह लक्ष्य हासिल करना कठिन नहीं होगा। बल्कि यह कहना सही होगा कि यदि आप की आक्रामकता प्रदेश की भाजपा और कांग्रेस के प्रति गंभीर रहती है तो आप सत्ता में भी आ सकती है। क्योंकि प्रदेश की अधिकांश समस्याओं के लिए केंद्र की बजाये इन पार्टियों का स्थानीय नेतृत्व ज्यादा जिम्मेदार रहा है।

इस समय कांग्रेस और भाजपा से नाराज दोनों दलों के बड़े छोटे नेता आप में आ रहे हैं। इन नेताओं का आप में आना ही पार्टी की पहली कसौटी होगा। क्योंकि यह देखना आवश्यक हो जायेगा कि आने वाला नेता अपनी पार्टी से क्यों नाराज था। क्या उसे सत्ता में परोक्ष/अपरोक्ष भागीदारी नहीं मिली या सही में उसे वह मान सम्मान नहीं मिला जिसका वह हकदार था। जनता हर नेता और कार्यकर्ता के बारे में जानती है। प्रदेश में कई नेता अपनी-अपनी पार्टियां बनाने का प्रयास कर चुके हैं। जनता ने उन्हें समर्थन भी दिया लेकिन वह जनता के विश्वास पर पूरे नहीं उतरे और फिर जनता ने उन्हें नकार दिया। हिमाचल में अभी तक वह राजनीतिक संस्कृति नहीं पनप पायी है कि एक ही छत के तले रहने वाले परिवार का हर सदस्य अलग-अलग पार्टी का सदस्य हो सकता है। आप में अभी भी कई लोग ऐसे हैं जो यह कहते हैं कि या तो आप को या फिर भाजपा को समर्थन दो। इससे ऐसा आभास हो जाता है कि उनका विरोध तो केवल कांग्रेस से है भाजपा से नहीं।

प्रदेश में सत्ता अब तक कांग्रेस भाजपा के बीच ही रहती आयी है। विकास के नाम पर दोनों दलों की सरकारें राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठता के तगमें लेती रही है। लेकिन उसके आधार पर कभी सत्ता में वापसी नहीं कर पायी है। प्रदेश में हर बार भ्रष्टाचार के आरोप पर ही सत्ता परिवर्तन होता रहा है। दोनों दलों की सरकारें एक-दूसरे पर हिमाचल को बेचने के आरोप लगाती रही हैं। लेकिन किसी ने भी सरकार आने पर अपने ही लगाये आरोपों की निर्णायक जांच करवाने का साहस नहीं किया है। इस समय कांग्रेस और भाजपा के कई छोटे-बड़े नेताओं के नाम आप में आने के लिये चर्चा में चल रहे हैं और उनमें से कई इस हमाम में नंगे रह चुके हैं। आज हिमाचल भारी-भरकम कर्ज के जाल में फंसा हुआ है और इस कर्ज के लिए भ्रष्टाचार बहुत हद तक जिम्मेदार रहा है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस और भाजपा के नाराज लोगों को अपने में शामिल करने के लिये किस तरह के मानक अपनाती है। अभी यह आरोप लग चुका है कि पंजाब के कुछ लोग खालिस्तान के झंडे लगाकर हिमाचल के मणिकरण में आये थे। जब स्थानीय पुलिस ने उन्हें रोका तो उसके बदले में हिमाचल की बसों को पंजाब एंट्री स्थलों पर रोक दिया गया। प्रदेश के प्रवक्ता गौरव शर्मा ने इसे असामाजिक तत्वों का कृत्य बताते हुए इसे विपक्ष की साजिश करार दिया है। लेकिन आप प्रवक्ता यह नहीं बता पाये हैं कि इन तत्वों के खिलाफ आप की पंजाब सरकार ने क्या कारवाई की है।

आप के चुनावी ऐलान ने बदले प्रदेश के राजनीतिक समीकरण कांग्रेस को बड़े नुकसान की संभावना बनी

शिमला/शैल। पांच राज्यों में कांग्रेस को मिली हार और उसके बाद पार्टी के अंदर ही बने ग्रुप 28 के नेताओं द्वारा गांधी परिवार के नेतृत्व पर सवाल उठाये जाने से हिमाचल में भी पार्टी के चुनावी भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ा है। क्योंकि ग्रुप 28 का एक बड़ा चेहरा आनन्द शर्मा हिमाचल से ताल्लुक रखता है। इस ग्रुप में शुरू में कॉल सिंह ठाकुर के शामिल होने की भी बात सामने आयी थी। लेकिन उन्होंने उसी समय इससे किनारा कर लिया था। आज जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप राठौर हैं उन्हें भी आनन्द शर्मा का ही प्रतिनिधि माना जाता है। क्योंकि स्व.वीरभद्र सिंह सुक्खू को हटाना चाहते थे इसलिए उन्होंने कुलदीप राठौर के नाम पर सहमति जता दी थी और मुकेश अग्निहोत्री तथा आशा कुमारी को भी राजी कर लिया था। इस पृष्ठभूमि में यह स्वभाविक है कि दिल्ली के घटनाक्रमों का प्रदेश पर असर पड़ेगा ही। वैसे भी यदि पार्टी की वर्किंग का आकलन किया जाये तो जो प्रभावी भूमिका पार्टी विधानसभा के अन्दर निभाती रही है विधानसभा के बाहर उससे आधा काम भी संगठन नहीं कर पाया है। आज पार्टी के अंदर पदाधिकारियों की जितनी लंबी सूची है उससे यही समझ आता है कि पदों के माध्यम से ही नेताओं को इक्कठा रखा जा रहा है। कई बार यह चर्चायें सामने आती रही है कि कई नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने के लिये तैयार बैठे हैं।

यह सही है कि पार्टी ने पिछले दिनों दो नगर निगमों और फिर विधानसभा तथा लोकसभा के उपचुनाव में जीत हासिल की है। लेकिन यह जीत कांग्रेस की वर्किंग के बजाय भाजपा के केंद्र से लेकर प्रदेश तक लिए गये गलत फैसलों से उपजे जन रोष का परिणाम ज्यादा था। परंतु कांग्रेस में इस जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा इसकी अघोषित लड़ाई शुरू हो गयी। इसके लिए वर्तमान अध्यक्ष को हटाकर स्वयं अध्यक्ष बनने को मुख्यमंत्री पद की पहली सीढ़ी मानकर गुट बंदी शुरू हो गयी। इसके लिये नेताओं ने दिल्ली आकर हाईकमान से मिलने के अपने अपने रास्ते तलाशने शुरू कर दिये। इस दिल्ली दौड़ का परिणाम यह हुआ कि पार्टी जयराम सरकार के खिलाफ अपना घोषित आरोप पत्र तक नहीं ला पायी। जयराम सरकार के पूरे कार्यकाल में कांग्रेस का इस संदर्भ में कोई भी बड़ा गंभीर प्रयास सामने नहीं आया है। बल्कि प्रदेश के स्वर्ण समाज ने क्षत्रिय देवभूमि संगठन के माध्यम से जो आंदोलन शुरू किया था उसे कांग्रेस के कुछ विधायकों ने विधानसभा के पटल से अपना समर्थन घोषित कर दिया था। यह समर्थन घोषणा से यह चर्चाएं भी चल पड़ी कि आंदोलन के नेता कांग्रेस के ही कुछ नेताओं के इशारे पर काम कर रहे हैं। लेकिन अब जब यह आंदोलनकारी सचिवालय का घेराव करने आ रहे थे और पुलिस प्रशासन ने इन्हें रोकने का प्रयास किया तो आंदोलन के नेतृत्व में अलग राजनीतिक दल बनाकर विधानसभा का चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी और इसी पर आंदोलनकारी दो फाड़ हो गये। आंदोलन वहीं समाप्त हो गया। बाद में कुछ नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया। ऐसा क्यों हुआ कैसे हुआ इस पर वह नेता कुछ नहीं कह पा रहे हैं जिन्होंने इनकी मांगों का समर्थन किया था। इससे इन नेताओं की राजनीतिक समझ का खुलासा हो जाता है।

अब आम आदमी पार्टी के प्रदेश का चुनाव लड़ने के ऐलान से पहला नुकसान कांग्रेस को ही होना शुरू हो गया है। इसके कई लोग आप में चले गये हैं। चर्चा है कि केजरीवाल के मंडी में प्रस्तावित रोड शो के मौके पर अनिल शर्मा और उनके पिता पंडित सुखराम केजरीवाल के साथ मंच साझा करेंगे। सुखराम के पोते आश्रय शर्मा कांग्रेस में हैं। मंडी में इस परिवार का अपना प्रभाव रहा है। लेकिन इस तरह से स्वत: विरोधी फैसलों से अपने साथ-साथ पार्टी का भी नुकसान कर रहे हैं। लोकसभा उपचुनाव के बाद प्रतिभा सिंह के बयान से दोनों परिवारों के रिश्ते पहले ही उलझे हुये हैं। ऐसे में अनिल शर्मा और सुखराम का केजरीवाल के साथ आना कांग्रेस पर क्या असर डालेगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। इस तरह से पनपते राजनीतिक परिदृश्य में स्वभाविक है कि आम आदमी पार्टी के कारण कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा नुकसान होगा। यह एक खुला सच है कि कांग्रेस का एक बड़ा वर्ग भाजपा सरकार के खिलाफ ठोस आक्रमकता नहीं अपना पाया है। शायद इसी धारणा पर चलता रहा है कि इस बार कांग्रेस की ही बारी है। परंतु पांच राज्यों की हार और आप के ऐलान ने प्रदेश में दोनों स्थापित दलों के समीकरणों को बिगाड़ दिया है यह तय है।